THRU the BIBLE

# उत्पत्ति

## मुख्य जानकारी



2

डॉ. जे. वर्नन मैक्गी के

# बाइबल अध्ययन के तरीके

**बाइबल का अध्ययन शुरू करने से पहले आपको इन दो तरीकों को ध्यान में रखना होगा।**



## पहला कदम दृश्य प्राप्त करना है

## दूरबीन जैसे

**दूरबीनी दृष्टिकोण** बाइबल अध्ययन का पहला चरण है, जो प्रत्येक पुस्तक के "**बड़े चित्र**" - उसके व्यापक विषय और संरचना - को समझने पर ध्यान केंद्रित करता है, उसके बाद अधिक विस्तृत विश्लेषण पर आगे बढ़ता है।



## दूसरा कदम अध्ययन करना है

## सूक्ष्म दृष्टि से

**सूक्ष्मदर्शी दृष्टिकोण** दूसरे चरण के रूप में आता है, जिसमें प्रत्येक अध्याय में गहराई से उसके मुख्य विषय, मुख्य श्लोकों, महत्वपूर्ण शब्दों, मसीह के बारे में शिक्षाओं, पालन करने के आदेशों, दावा करने के वादों, तथा चिंतन और अनुप्रयोग के लिए नई सच्चाइयों का पता लगाया जाता है।

अनंतकाल
(हमेशा के लिए)

अस्तित्व में है

परमेश्वर
समय में कैसे उपस्थित है?

अतीत

भविष्य

वर्तमान



पृथ्वी के दृष्टिकोण से समय को समझना।

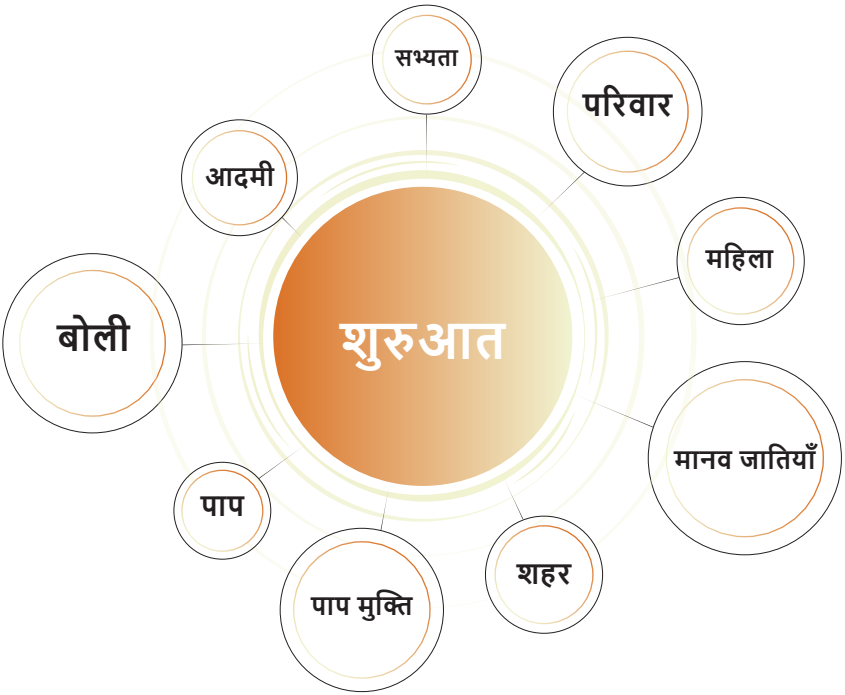
# दूरबीनी दृष्टिकोण / पक्षियों जैसा दृश्य



"उत्पत्ति बाइबल का "बीज-कथानक" है, और यहीं हमें हर चीज़ की शुरुआत, स्रोत और जन्म मिलता है।
उत्पत्ति की पुस्तक एक खूबसूरत गुलाब की कली की तरह है,
और यह बाइबल के बाकी हिस्सों में खुलती है।"
~ डॉ. जे वर्नन मैक्गी

Ⓐ **उत्पत्ति एक ऐसी पुस्तक है जो बताती है कि सब कुछ पहली बार कैसे शुरू हुआ।** (उत्पत्ति 1-11)

सृष्टि, पुरुष, स्त्री, विवाह, परिवार, पाप, मुक्ति, कार्य, सभ्यता, संस्कृति, हत्या, बलिदान, जातियाँ, भाषाएँ और शहर।

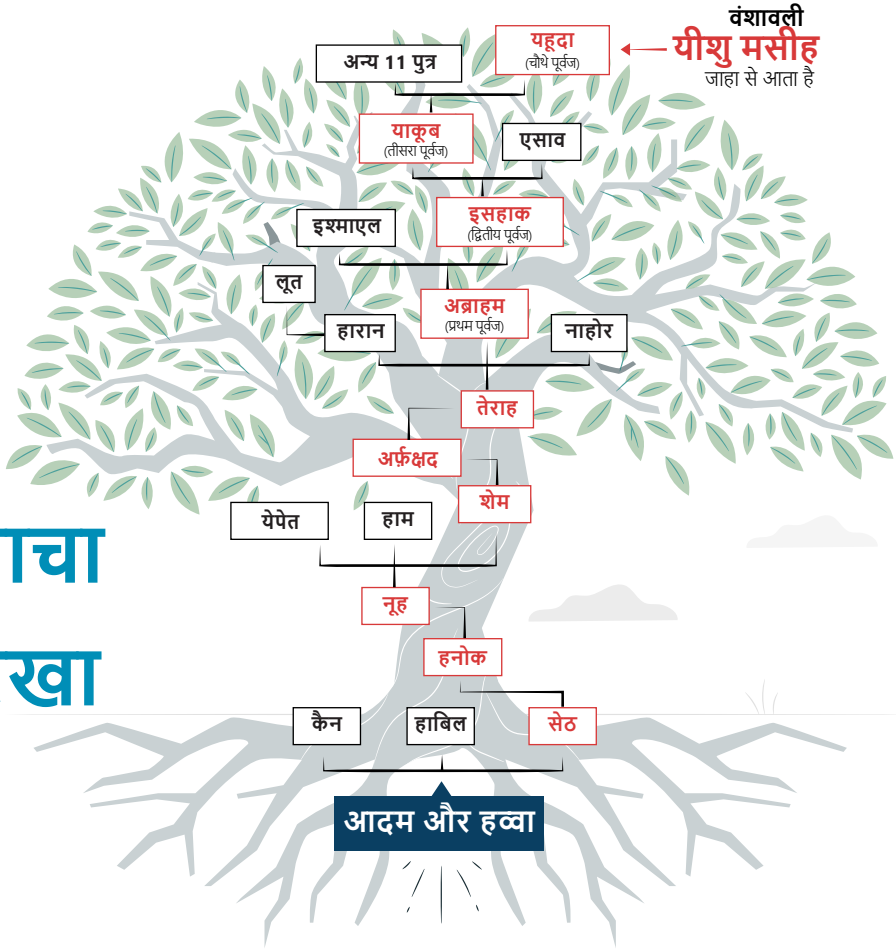


Ⓑ ऐसे विशिष्ट वाक्यांशों पर ध्यान दें जो बार-बार आते हैं।

उदाहरण के लिए, "**ये पीढ़ियाँ हैं**" एक **महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति है जिसका बार-बार** प्रयोग किया जाता है क्योंकि उत्पत्ति की पुस्तक प्रारंभिक इतिहास के परिवारों का विवरण देती है। **यह हमारे लिए क्यों महत्वपूर्ण है क्योंकि हम उस मानव परिवार के सदस्य हैं जिसकी शुरुआत यहीं से होती है?**

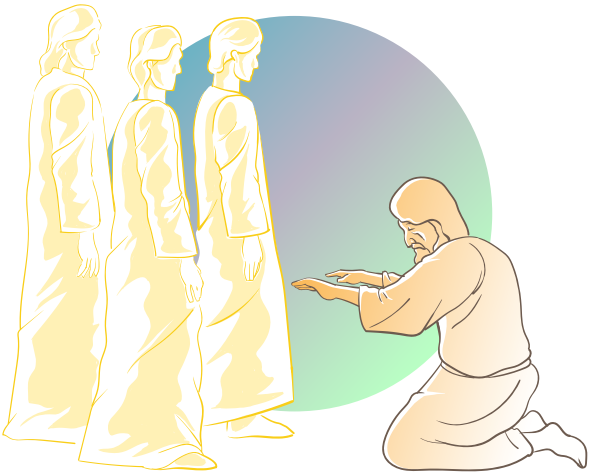
**" ये हैं पीढ़ियाँ "** ◀ उत्पत्ति 2:4-4:26, 5:1-6:8, 6:9-:29, 10:1-11:9, 11:10-26 में अभिव्यक्ति की घटनाओं के लिए अध्याय संदर्भ

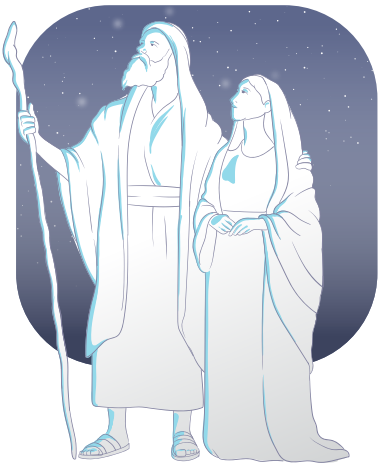
## वाचा की रेखा

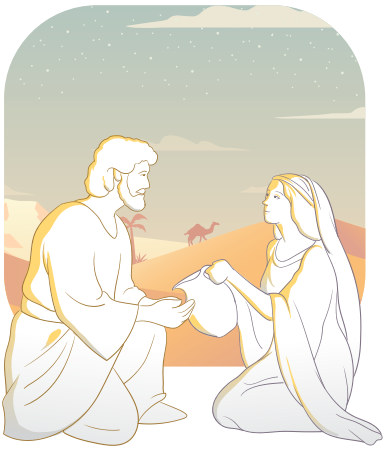


## © उत्पत्ति की पुस्तक में वर्णित कुछ ऐसे रोचक लोगों के बारे में जानें जिनसे परमेश्वर का संबंध था।

किसी ने इसे "**जीवनी की पुस्तक**" कहा है।
इसमें अब्राहम, इसहाक, याकूब, यूसुफ, फिरौन और यूसुफ के अलावा याकूब के ग्यारह पुत्र शामिल हैं। परमेश्वर अब्राहम, इसहाक, याकूब और यूसुफ के साथ-साथ उनसे जुड़े लोगों—लूत, अबीमेलेक, पोतीपर, पिलानेवाले और फिरौन—को निरंतर आशीर्वाद देता है।





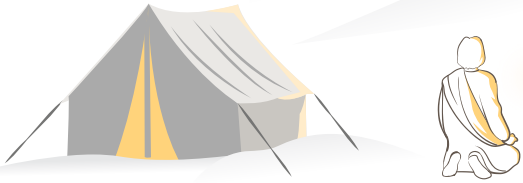


## Ⓓ पूर्वजों के सामने परमेश्वर का प्रकट होना



**उत्पत्ति 17-** परमेश्वर अब्राम के सामने (पहली बार शारीरिक रूप में) प्रकट होता है।

**उत्पत्ति 26 -** प्रभु ने इसहाक को दर्शन देकर कहा कि वह मिस्र न जाए।





**उत्पत्ति 32 -** परमेश्वर प्रकट होता है और सारी रात याकूब के साथ कुश्ती लड़ता है।

**उत्पत्ति 46** - प्रभु केवल एक बार फिर इस्राएल (याकूब) से बात करता है ताकि उसे आश्वस्त कर सके कि मिस्र जाना परमेश्वर की योजना है और प्रभु उसके साथ रहेगा।



## (E) परमेश्वर की वाचा

इस पुस्तक में आपको वाचा का उल्लेख मिलेगा -
एक ऐसा वादा जिसे केवल परमेश्वर ही पूरा कर सकता है।



**उत्पत्ति 8** -
पूरी दुनिया में फिर कभी जलप्रलय
न आने की वाचा।



**उत्पत्ति 15** -
अब्राहमिक वाचा

## Ⓕ इस पुस्तक में वेदी प्रमुख है।

### वेदियां

**उत्पत्ति 8** - नूह ने अरारात पर्वत पर एक वेदी बनाई।

**उत्पत्ति 12** - अब्राहम ने शेकेम में एक वेदी बनाई।

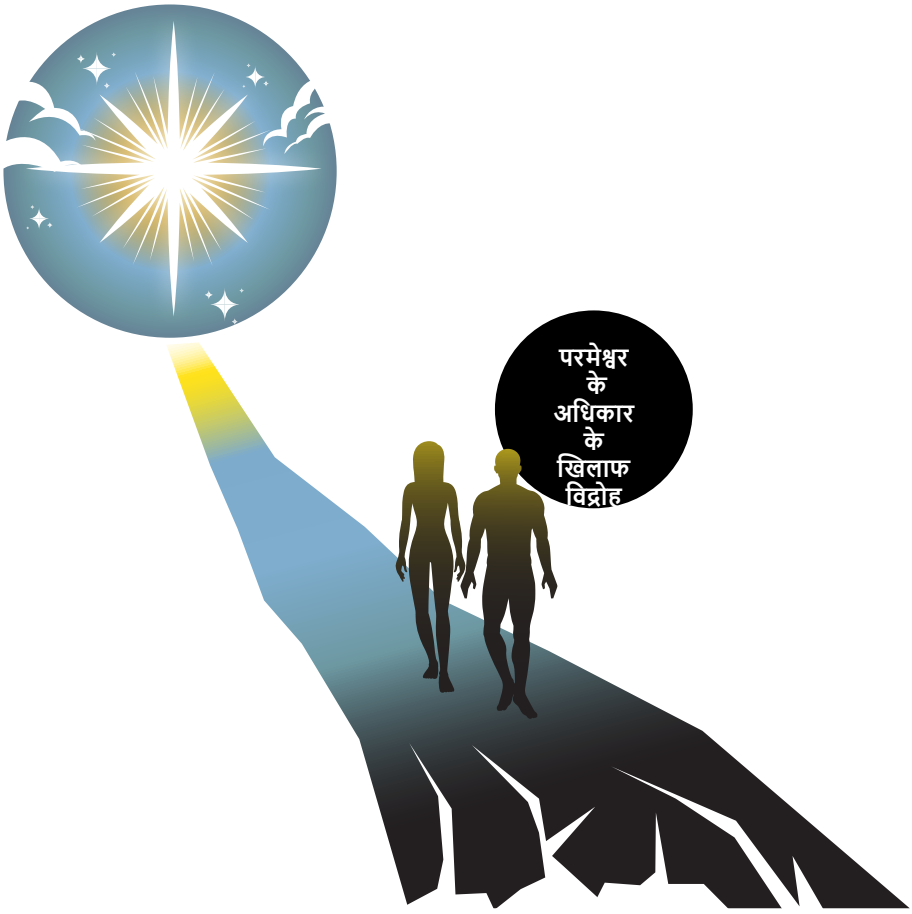
**उत्पत्ति 26** - इसहाक ने बेर्शेबा में एक वेदी बनाई।

**उत्पत्ति 33** - याकूब ने एल एलोहे इस्राएल में एक वेदी बनाई।

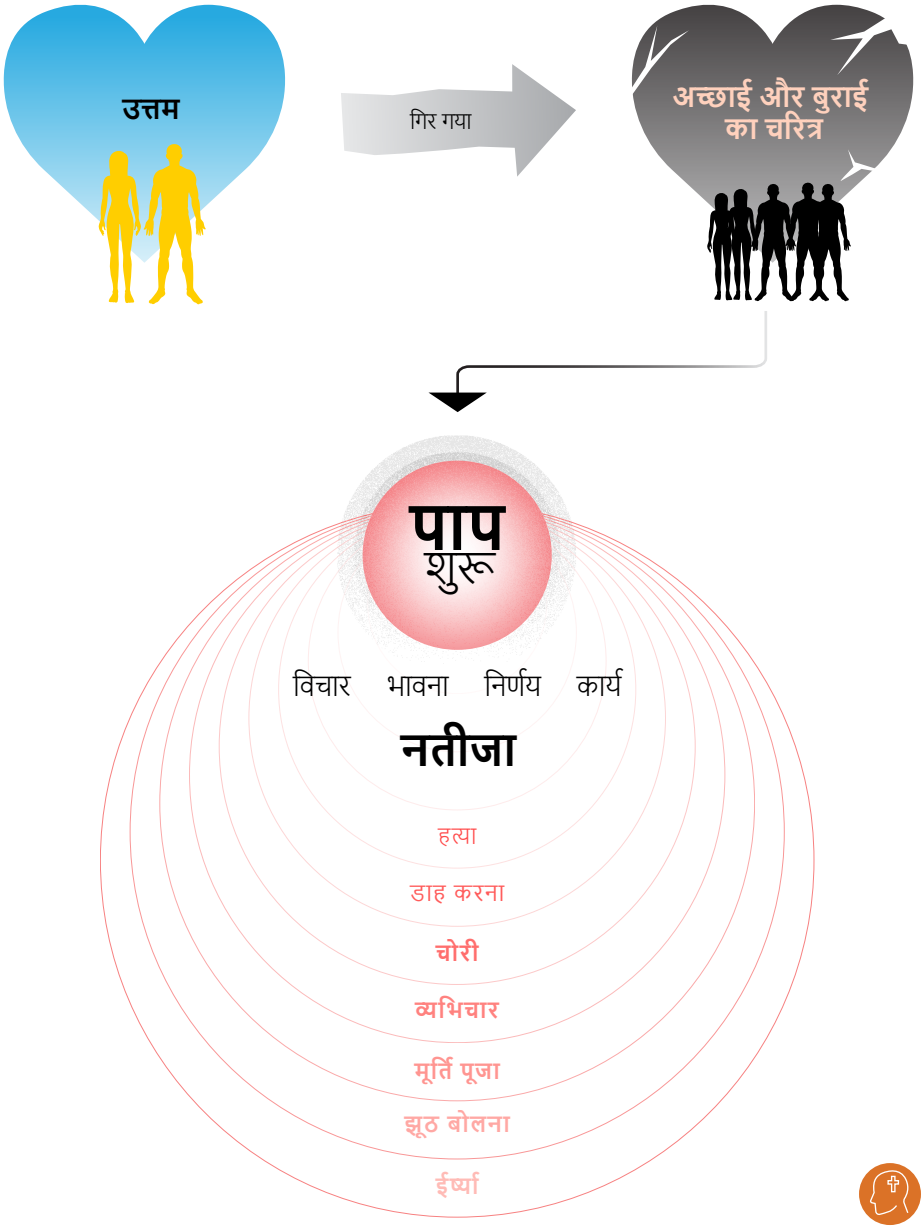


## सभी मानवीय समस्याओं का आधार

उत्पत्ति में पाप पर न्याय का उल्लेख है,
और पापों से मुक्ति के लिए परमेश्वर की व्यवस्था का भी।



## (H) पापमय स्वभाव और पाप की उत्पत्ति



# सूक्ष्मदर्शी दृश्य / विस्तृत विश्लेषण

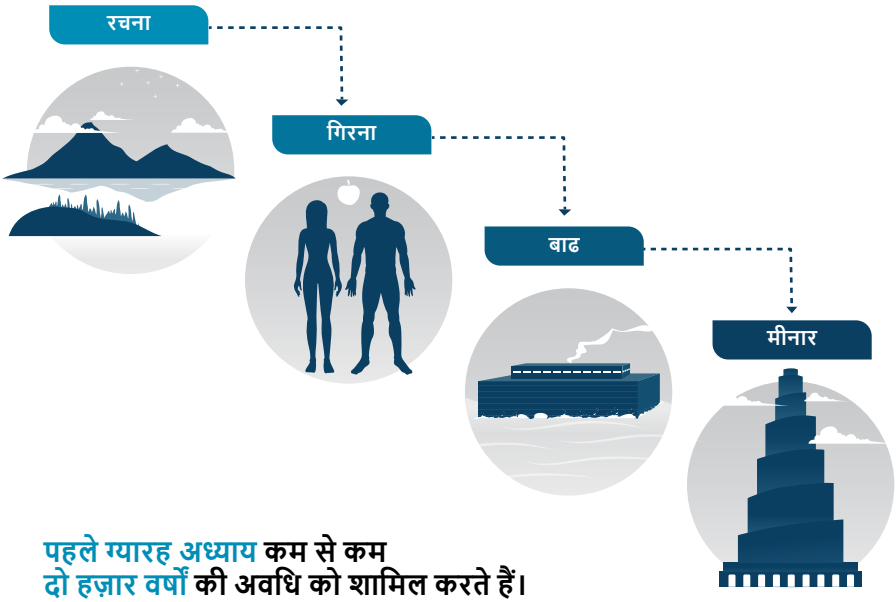
ध्यान दें कि उत्पत्ति की पुस्तक में दो भाग हैं

पहला भाग (उत्पत्ति 1-11)

**उत्पत्ति के पहले भाग में सृष्टि के आरंभ का उल्लेख है।**

**पहला भाग सृष्टि से लेकर अब्राहम तक विस्तृत है।**

पहला भाग उन प्रमुख विषयों से संबंधित है, जो आज भी विचारशील लोगों के मन को आकर्षित करते हैं:
सृष्टि, पतन, जलप्रलय, बाबेल का गुम्मट।




**पहले ग्यारह अध्याय कम से कम दो हज़ार वर्षों की अवधि को शामिल करते हैं।**

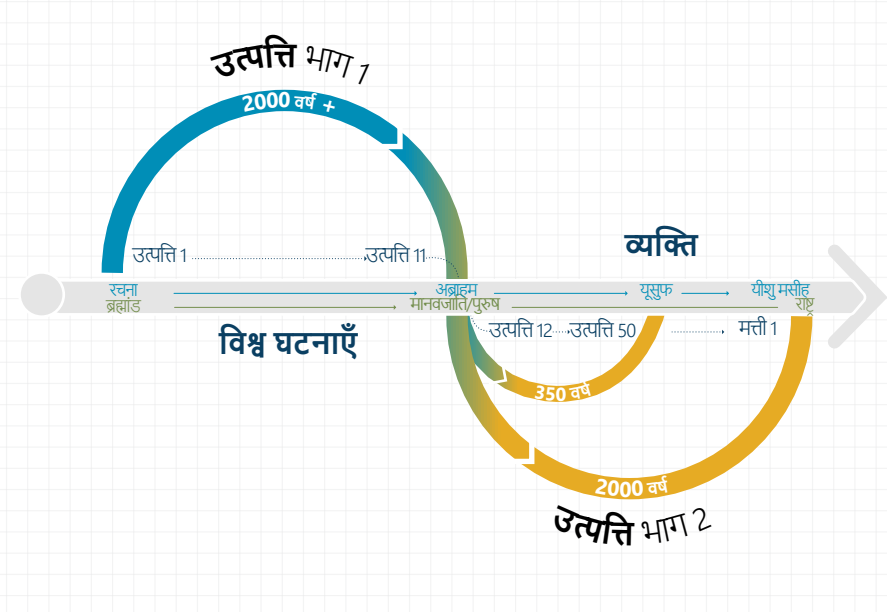
## **दूसरा भाग** (उत्पत्ति 12-50)

**अध्याय 12-50 में, हम अब्राहम के साथ परमेश्वर की वाचा को विभिन्न व्यक्तियों के माध्यम से पूरा होते हुए देखते हैं।**

यह दूसरा भाग अब्राहम से यूसुफ तक फैला है और **प्रमुख व्यक्तियों पर केंद्रित है**: अब्राहम, विश्वासी पुरुष;
इसहाक, प्रिय पुत्र; याकूब, चुना हुआ और ताड़ना प्राप्त पुत्र; और यूसुफ, जिसने कष्ट सहे और बाद में महिमान्वित हुआ।

हालाँकि दूसरे भाग में **उनतीस अध्याय** हैं,
यह केवल **350 वर्षों** को कवर करता है। अब्राहम से लेकर ईसा मसीह के समय तक कुल **2000 वर्षों** का समय शामिल है।

## पृथ्वी की समयरेखा
(उत्पत्ति से मत्ती तक)



आपको बहुत आनंद आएगा इस




को शुरू करने में, इस
पुस्तक का नाम है

# उत्पत्ति

आपका नाम .....

# हमारे संसाधनों तक पहुंचें

**थ्रू द बाइबल की ऑडियो सीरीज़ को कई भाषाओं में डाउनलोड करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें**

**www.ttb.bible**


THRU the BIBLE